V. पाठ्य-पुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

(पृष्ठ 19-21)

प्रश्न 1. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाज़िरी क्यों ली जाती होगी? [*CBSE 2014, 2015*]

उत्तर–कांजीहौस एक प्रकार से पशुओं की जेल थी। उसमें ऐसे आवारा पशु कैद होते थे जो दूसरों के खेतों में घुसकर फसलें नष्ट करते थे। अतः कांजीहौस के मालिक का यह दायित्व होता था कि वह उन्हें जेल में सुरक्षित रखे तथा भागने न दे। इस कारण हर रोज उनकी हाज़िरी लेनी पड़ती होगी।

प्रश्न 2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया? **[Imp.]** [*CBSE 2014, 2017, 2018*]

उत्तर–छोटी बच्ची की माँ मर चुकी थी। वह माँ के बिछुड़ने का दर्द जानती थी। इसलिए जब उसने हीरा-मोती की व्यथा देखी तो उसके मन में उनके प्रति प्रेम उमड़ आया। उसे लगा कि वे भी उसी की तरह अभागे हैं और अपने मालिक से दूर हैं।

प्रश्न 3. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं? **[Imp.]**
[*CBSE 2014, 2015, 2018*]

उत्तर–इस कहानी के माध्यम से निम्नलिखित नीतिविषयक मूल्य उभरकर सामने आए हैं–

- सरल-सीधा और अत्यधिक सहनशील होना पाप है। बहुत सीधे इनसान को मूर्ख या 'गधा' कहा जाता है। इसलिए मनुष्य को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए।
- आज़ादी बहुत बड़ा मूल्य है। इसे पाने के लिए मनुष्य को बड़े-से-बड़ा कष्ट उठाने को तैयार रहना चाहिए।
- समाज के सुखी-संपन्न लोगों को भी आज़ादी की लड़ाई में योगदान देना चाहिए।

प्रश्न 4. प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उत्तर–गधे के स्वभाव की दो विशेषताएँ प्रसिद्ध हैं–

1. मूर्खता
2. सरलता और सहनशीलता।

इस कहानी में लेखक ने गधे की सरलता और सहनशीलता की ओर हमारा ध्यान खींचा है। प्रेमचंद ने स्वयं कहा है–**'सद्गुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है।'** कहानी में भी उन्होंने सीधेपन की दुर्दशा दिखलाई है, मूर्खता की नहीं। अत: लेखक ने सरलता और सीधेपन पर प्रकाश डाला है।

प्रश्न 5. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी? [*CBSE*]

उत्तर–इस कहानी में अनेक घटनाएँ ऐसी हैं जिनसे पता चलता है कि मोती और हीरा में गहरी दोस्ती थी।

पहली घटना–दोनों एक-साथ गाड़ी में जोते जाते थे तो यह कोशिश करते थे कि गाड़ी का अधिक भार दूसरे साथी के कंधे पर न आकर उसके अपने कंधे पर आए।

दूसरी घटना–गया ने हीरा के नाक पर डंडा मारा तो मोती से सहा न गया। वह हल, रस्सी, जुआ, जोत सब लेकर भाग पड़ा। उससे हीरा का कष्ट देखा न गया।

तीसरी घटना–जब मटर के खेत में मटर खाकर दोनों मस्त हो रहे तो वे सींग मिलाकर एक-दूसरे को ठेलने लगे। अचानक मोती को लगा कि हीरा क्रोध में आ गया है तो वह पीछे हट गया। उसने दोस्ती को दुश्मनी में बदलने से रोक लिया।

चौथी घटना–जब उनके सामने विशालकाय साँड आ खड़ा हुआ तो उन्होंने योजनापूर्वक एक-दूसरे का साथ देते हुए उसका मुकाबला किया। साँड एक पर चोट करता तो दूसरा उसकी देह में अपने नुकीले सींग चुभा देता। आखिरकार साँड बेदम होकर गिर पड़ा।

पाँचवीं घटना–मोती मटर के खेत में मटर खाते-खाते पकड़ा गया। हीरा उसे अकेला विपत्ति में देखकर वापस आ गया। वह भी मोती के साथ पकड़ा गया।

छठी घटना–काँजीहौस में हीरा ने दीवार तोड़ डाली। उसे रस्सियों से बाँध दिया गया। इस पर मोती ने उसका साथ दिया। पहले तो उसने बाड़े की दीवार तोड़कर हीरा का अधूरा काम पूरा किया, फिर उसका साथ देने के लिए उसी के साथ बँध गया।

प्रश्न 6. *'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'*–हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [*CBSE*]

उत्तर–हीरा के इस कथन से यह ज्ञात होता है कि समाज में स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। उन्हें शारीरिक यातनाएँ दी जाती थीं। इसलिए समाज में ये नियम बनाए जाते थे कि उन्हें पुरुष समाज शारीरिक दंड न दे। हीरा और मोती भले इनसानों के प्रतीक हैं। इसलिए उनके कथन सभ्य समाज पर लागू होते हैं। असभ्य समाज में स्त्रियों की प्रताड़ना होती रहती थी।

प्रश्न 7. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है? **[Imp.]**

उत्तर–किसान जीवन में पशुओं और मनुष्यों के आपसी संबंध बहुत गहरे तथा आत्मीय रहे हैं। किसान पशुओं को घर के सदस्य की भाँति प्रेम करते रहे हैं और पशु अपने स्वामी के लिए जी-जान देने को तैयार रहे हैं। झूरी हीरा और मोती को बच्चों की तरह स्नेह करता था। तभी तो उसने उनके सुंदर-सुंदर नाम रखे–हीरा-मोती। वह उन्हें अपनी आँखों से दूर नहीं करना चाहता था। जब हीरा-मोती उसकी ससुराल से लौटकर वापस उसके थान पर आ खड़े हुए तो उसका हृदय आनंद से भर गया। गाँव-भर के बच्चों ने भी बैलों की स्वामिभक्ति देखकर उनका अभिनंदन किया। इससे पता चलता है कि किसान अपने पशुओं से मानवीय व्यवहार करते हैं।

प्रश्न 8. *'इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे'*–मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए। [*CBSE*]

उत्तर–मोती स्वभाव से उग्र किंतु दयालु बैल है। वह किसी पर भी अत्याचार होते देखकर उग्र हो उठता है। वह अत्याचारी से भिड़ जाता है। काँजीहौस में भी उसने कैद पशुओं पर दया करके बाड़े की दीवार तोड़ डाली और उन्हें आज़ाद कर दिया। इस

पर हीरा ने उसे चेताया कि अब उस पर मुसीबतें आएँगी। उसे भी रस्सियों से बाँध दिया जाएगा। तब मोती ने गर्व से कहा–ऐसा बंधन मुझे स्वीकार है। कम-से-कम मेरे बँधने से यह तो हुआ कि नौ-दस जानवरों की जानें बच गईं। अब वे सारे मुझे आशीर्वाद देंगे।

इस कथन से मोती की दयालुता, उग्रता तथा बलिदान-भावना का ज्ञान होता है।

प्रश्न 9. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) *अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।*

उत्तर–हीरा और मोती बिना कोई वचन कहे एक-दूसरे के मन की बात समझ जाते थे। प्रायः वे एक-दूसरे से स्नेह की बातें सोचते थे। यद्यपि मनुष्य स्वयं को सब प्राणियों से श्रेष्ठ मानता है किंतु उसमें भी यह शक्ति नहीं होती।

(ख) *उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।* [CBSE]

उत्तर–हीरा और मोती गया के घर बँधे हुए थे। गया ने उनके साथ अपमानपूर्ण व्यवहार किया था। इसलिए वे क्षुब्ध थे। परंतु तभी एक नन्ही लड़की ने आकर उन्हें एक रोटी ला दी। उस रोटी से उनका पेट तो नहीं भर सकता था। परंतु उसे खाकर उनका हृदय जरूर तृप्त हो गया। उन्होंने बालिका के प्रेम का अनुभव कर लिया और प्रसन्न हो उठे।

प्रश्न 10. गया ने हीरा-मोती को दोनों बार सूखा भूसा खाने के लिए दिया क्योंकि–

(क) *गया पराये बैलों पर अधिक खर्च नहीं करना चाहता था।*

(ख) *गरीबी के कारण खली आदि खरीदना उसके बस की बात न थी।*

(ग) *वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुःखी था।*

(घ) *उसे खली आदि सामग्री की जानकारी न थी।*

(सही उत्तर के आगे (✓) का निशान लगाइए।)

उत्तर– (ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुःखी था।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 11. *हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही।* हीरा-मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें।

उत्तर–हीरा और मोती शोषण के विरुद्ध हैं। वे हर शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाते रहे हैं। उन्होंने झूरी के साले गया का विरोध किया तो सूखी रोटियाँ खाईं तथा डंडे खाए। फिर काँजीहौस में अन्याय का विरोध किया तो बंधन में पड़े। उन्हें भूखे रहना पड़ा।

प्रतिक्रिया–मेरा विचार है कि हीरा और मोती का यह कदम बिल्कुल ठीक था। यदि वे कोई प्रतिक्रिया न करते तो उनका खूब शोषण होता। उन्हें गिड़गिड़ाकर, मन मारकर अपने मालिक की गुलामी करनी पड़ती। वे अपने दर्द को व्यक्त भी न कर पाते। परंतु अपना विद्रोह प्रकट करके उन्होंने मालिक को सावधान कर दिया कि उनका अधिक शोषण नहीं किया जा सकता। मार खाने के बदले उन्होंने मालिक के मन में भय तो उत्पन्न कर ही दिया।

प्रश्न 12. क्या आपको लगता है कि यह कहानी आज़ादी की लड़ाई की ओर भी संकेत करती है?

उत्तर–'दो बैलों की कथा' कहानी अप्रत्यक्ष रूप से आज़ादी के आंदोलन से जुड़ी है। प्रकट रूप में यह कहानी दो बैलों से संबंधित है। लेकिन प्रतीक रूप में यह आज़ादी के आंदोलन की कहानी है। दोनों बैल संवेदनशील और क्रांतिकारी भारतीय हैं। ये अपने देश (झूरी के घर) से बहुत प्रेम करते हैं। उन्हें अपने देश की तुलना में अन्य कोई देश पसंद नहीं है। दूसरे देश में रहना उन्हें बंधन जैसा जान पड़ता है। इसलिए वे स्वदेश के लिए हर संघर्ष करते हैं। संघर्ष करते-करते उन्हें अनेक मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। वे हर मुसीबत में संगठित होकर लड़ते हैं। इसलिए हर बाधा पर विजय पा लेते हैं। अंत में वे काल-कोठरी में कैद कर दिए जाते हैं। उन्हें भूखा-प्यासा रखा जाता है ताकि उनकी क्रांतिकारी भावना नष्ट हो जाए। परंतु वहाँ भी वे अन्य कैदियों के कल्याण के लिए संघर्ष करते हैं। अंत में उन्हें सूली पर चढ़ाने का आदेश आता है। संयोग से उन्हें अपना देश पुनः प्राप्त हो जाता है। इस प्रकार यह कहानी संकेत-संकेत में स्वतंत्रता-संग्राम की कथा कहती है।

प्रश्न 13. बस इतना <u>ही</u> काफ़ी है।
फिर मैं <u>भी</u> ज़ोर लगाता हूँ।

'ही', 'भी' वाक्य में किसी बात पर ज़ोर देने का काम कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को निपात कहते हैं। **कहानी में से पाँच ऐसे वाक्य छाँटिए जिनमें निपात का प्रयोग हुआ हो।**

उत्तर– ही–
- दोनों साथ उठते, साथ नाँद में मुँह डालते और साथ **ही** बैठते थे।
- एक **ही** विजय ने उसे संसार की सभ्य जातियों में गण्य बना दिया।
- ज्यादा-से-ज्यादा मेरी **ही** गरदन पर रहे।
- यही उनका आधार था।
- कभी-कभी उसे भी क्रोध आ **ही** जाता है।

भी–
- कभी-कभी उसे **भी** क्रोध आ ही जाता है।
- उसके चेहरे पर असंतोष की छाया **भी** न दिखाई देती।
- गधे का एक छोटा भाई और **भी** है।
- एक मुँह हटाता तो दूसरा **भी** हटा लेता था।
- कभी-कभी अड़ियल बैल **भी** देखने में आता है।

प्रश्न 14. रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए तथा उपवाक्य छाँटकर उसके भी भेद लिखिए–

(क) दीवार का गिरना था कि अधमरे-से पड़े हुए सभी जानवर चेत उठे।
(ख) सहसा एक दढ़ियल आदमी, जिसकी आँखें लाल थीं और मुद्रा अत्यंत कठोर, आया।
(ग) हीरा ने कहा–गया के घर से नाहक भागे।
(घ) मैं बेचूँगा, तो बिकेंगे।
(ङ) अगर वह मुझे पकड़ता तो मैं बे-मारे न छोड़ता।

उत्तर– (क) **मिश्र वाक्य**
मुख्य उपवाक्य–अधमरे से पड़े हुए जानवर सभी चेत उठे।
गौण उपवाक्य–दीवार का गिरना था।

(ख) **मिश्र वाक्य**
मुख्य उपवाक्य–सहसा एक दढ़ियल आदमी आया।
गौण उपवाक्य–जिसकी आँखें लाल थीं और मुद्रा अत्यंत कठोर।

(ग) **मिश्र वाक्य**
मुख्य उपवाक्य–हीरा ने कहा।
गौण उपवाक्य–गया के घर से नाहक भागे।

(घ) **मिश्र वाक्य**
मुख्य उपवाक्य–तो बिकेंगे।
गौण उपवाक्य–मैं बेचूँगा।

(ङ) **मिश्र वाक्य**
मुख्य उपवाक्य–मैं बे-मारे न छोड़ता।
गौण उपवाक्य–अगर वह मुझे पकड़ता।

प्रश्न 15. *कहानी में जगह-जगह मुहावरों का प्रयोग हुआ है।* कोई पाँच मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर– • **जी तोड़ काम करना**
वाक्य–भारतीय श्रमिक **जी-तोड़कर** काम करते हैं।

• **गम खा जाना**
वाक्य–भारत के मज़दूर इतने स्वाभिमानी हैं कि **वे गम खा जाते हैं**, हाय-तौबा नहीं मचाते।

• **ईंट का जवाब पत्थर से देना**
वाक्य–यह दुनिया उसी को सम्मान देती है जो **ईंट का जवाब पत्थर से देना** जानता है।

• **दाँतों पसीना आना**
वाक्य–क्रिकेट के मैदान से कुत्ते को बाहर खदेड़ने में माली को **दाँतों पसीना आ** गया।

• **कसर उठाना**
वाक्य–मालिक के कहने पर हम हर काम कर देते हैं। किसी प्रकार की कोई **कसर नहीं उठा रखते।**

पाठेतर सक्रियता

• पशु-पक्षियों से संबंधित अन्य रचनाएँ ढूँढ़कर पढ़िए और कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर–छात्र स्वयं करें।

VI. अन्य महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर

☞प्रश्न 1. 'दो बैलों की कथा' में लेखक ने दुर्दशा के किन कारणों का चित्रण किया है? **[Imp.]**

उत्तर–'दो बैलों की कथा' में मुंशी प्रेमचंद ने बताया है कि आज के इस संसार में सरलता, सीधापन, सहनशीलता आदि गुणों का कोई मूल्य नहीं है। इनके कारण मनुष्य का शोषण ही होता है। आज का मनुष्य शक्तिशाली को सम्मान देता है, संघर्षशील को सभ्य मानता है। लेखक ने स्वयं प्रश्न उठाया है कि अफ्रीका और अमरीका में भारतीयों का सम्मान क्यों नहीं है? क्योंकि वे सीधे-सादे परिश्रमी हैं। वे चोट खाकर भी सहन कर जाते हैं। इसके विपरीत जापान ने युद्ध में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करके दुनिया-भर में सम्मान अर्जित कर लिया।

कहानी में भी हीरा-मोती अपनी सरलता और सहनशीलता के कारण शोषण के शिकार होते हैं। जैसे ही वे सींग चलाते हैं या विद्रोह करते हैं, उन पर अत्याचार होने कम हो जाते हैं।

☞प्रश्न 2. सच्चे मित्रों की क्या पहचान होती है? हीरा-मोती के स्वभाव के आधार पर बताइए। **[Imp.]**
[CBSE 2014]

उत्तर–सच्चे मित्र आपस में खूब घुल-मिलकर रहते हैं। वे कभी-कभी आपस में धौल-धप्पा, शरारत या कुलेल-क्रीड़ा भी करते हैं। इससे उनका प्रेम बढ़ता है। वे गहरे मित्र बनते हैं। प्रेमचंद के शब्दों में–**''इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर कुछ विश्वास नहीं किया जा सकता।''**

हीरा-मोती भी गहरे मित्र हैं। वे इकट्ठे खाते-पीते हैं। प्रेम-प्रदर्शन के लिए एक-दूसरे को सूँघते और चाटते हैं। खेल-खेल में एक-दूसरे को धकेलते हैं, सींग-से-सींग मिलाकर ठेलाठेली करते हैं। आपस में जोर-आजमाइश करते हैं। दूसरे को बिगड़ता देखकर स्वयं पीछे हट जाते हैं।

हीरा-मोती सच्ची मित्रता का प्रदर्शन अनेक स्थलों पर करते हैं। वे दूसरे को संकट से बचाने के लिए खुद संकट सहन कर लेते हैं। इस प्रकार हीरा-मोती सच्चे मित्र हैं।

प्रश्न 3. मुंशी प्रेमचंद ने गधे का छोटा भाई किसे कहा है और क्यों? [CBSE 2012]

उत्तर–प्रेमचंद ने बैल को गधे का छोटा भाई कहा है।

क्यों–वह सरलता, सादगी, कर्मठता और सहनशीलता में गधे-से कुछ कम होता है।

प्रश्न 4. मुंशी प्रेमचंद के अनुसार अमेरिकावासी क्या-क्या आरोप लगाकर भारतीयों को अमेरिका में घुसने नहीं देते थे? [CBSE 2012]

उत्तर–अमेरिकावासी भारतीयों की सरलता, सादगी, अहिंसा और सहनशीलता के कारण उन्हें नीचा मानते थे। वे केवल संघर्षशील जुझारुओं को ही सम्मान देते थे। इस कारण वे भारतीयों को अमेरिका में घुसने नहीं देते थे।

प्रश्न 5. हीरा और मोती गया के साथ क्यों नहीं जाना चाहते थे? [CBSE 2012]

उत्तर–हीरा और मोती झूरी को अपना स्वामी मानते थे। वे गया को न तो जानते थे, न ही उसे अपना मानते थे। इसलिए वे किसी पराए आदमी के साथ नहीं जाना चाहते थे।

प्रश्न 6. हीरा-मोती झूरी से किस कारण नाराज़ थे? [CBSE 2012]

उत्तर–हीरा-मोती ने समझा कि उनके स्वामी झूरी ने उन्हें बेच डाला है। वे स्वामिभक्त थे और झूरी के पास रहना चाहते थे। इसलिए प्रेम के कारण वे झूरी से नाराज़ थे।

प्रश्न 7. हीरा-मोती गया का विरोध क्यों कर रहे थे? [CBSE 2012]

उत्तर–हीरा-मोती गया को अपना नहीं मानते थे। जब गया ने उनके साथ कठोरता का व्यवहार किया तो वे तनकर विरोध में खड़े हो गए।

प्रश्न 8. गया कौन था? उसे किस परेशानी का सामना करना पड़ा? [CBSE 2012]

उत्तर–गया झूरी का साला था। वह हीरा और मोती को अपने घर ले जाना चाहता था। परंतु दोनों बैल स्वामिभक्त थे। वे झूरी के पास रहना चाहते थे। अतः दोनों ने गया को बहुत परेशान किया। वे रास्ते में अड़कर खड़े हो गए। गया ने उन्हें पीटा तो वे विद्रोही हो गए।

प्रश्न 9. दोनों बैलों ने क्या कसम खाई? [CBSE]

उत्तर–दोनों बैलों ने गया के लिए काम न करने की कसम खा ली। उन्हें गया के व्यवहार में बेगानापन प्रतीत होता था।

प्रश्न 10. हीरा और मोती गया के यहाँ जाकर क्यों विद्रोही हो गए थे? [CBSE]

उत्तर–हीरा और मोती झूरी के स्वामिभक्त पशु थे। वे गया को नहीं जानते थे। उन्हें गया के यहाँ जाना अपना तिरस्कार और अपमान प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि जैसे वे बेच दिए गए हैं। अतः वे विद्रोही हो गए।

प्रश्न 11. हीरा और मोती झूरी के घर वापस क्यों आए? [CBSE 2012]

उत्तर–हीरा और मोती झूरी के स्वामिभक्त बैल थे। वे झूरी के अपनत्व और सेवा से बहुत प्रसन्न थे। वे झूरी को छोड़कर और किसी के आश्रय में नहीं रहना चाहते थे। इसलिए वे गया के घर से पगहा तुड़ाकर उसके घर वापस आ गए।

प्रश्न 12. गया के घर से भाग आने पर हीरा-मोती का कैसा स्वागत हुआ और क्यों?

उत्तर–हीरा-मोती गया के घर से पगहे तुड़ाकर झूरी के पास भाग आए। उन्हें अपने थान पर खड़ा देखकर सबसे पहले झूरी ने उनका स्वागत किया। उसने उन दोनों को गले लगा लिया और खूब चूमा। गाँव के लड़के तालियाँ बजाकर उनका अभिनंदन करने लगे। कोई उनके लिए रोटियाँ लाया, कोई गुड़, कोई चोकर तो कोई भूसी। बालकों ने उनकी प्रशंसा में निम्नलिखित वचन कहे–*'ऐसे बैल किसी के पास न होंगे।'*

× × ×

'बैल नहीं हैं वे, उस जन्म के आदमी हैं।'

हाँ, झूरी की पत्नी जरूर जल-भुन गई। उसने उन्हें 'नमक-हराम' कहकर दंडित किया तथा खाने को सूखा चारा दिया।

प्रश्न 13. बैलों की आँखों में विद्रोहमय स्नेह क्यों झलक रहा था? [CBSE]

उत्तर–हीरा और मोती जब गया के घर से खूँटे उखाड़कर वापस झूरी के घर आ गए तो झूरी ने उन्हें प्रेम से खूब चाटा। तब हीरा और मोती की आँखों से स्नेह और विद्रोह का मिला-जुला भाव झलक रहा था। उन्हें झूरी पर प्रेम भी आ रहा था और गया के घर भेजने के कारण विद्रोह भी झलक रहा था।

प्रश्न 14. झूरी की पत्नी ने हीरा-मोती को पहले नमक-हराम क्यों कहा? बाद में उनका माथा क्यों चूमा?

उत्तर–झूरी की पत्नी ने अपने भाई गया के घर बैल भिजवाए थे। इसलिए जब हीरा-मोती वहाँ से भाग आए, तो उसे बहुत बुरा लगा। उसने इसमें अपने भाई का नहीं, अपना अपमान माना। इसलिए उसने गुस्से में हीरा-मोती को 'नमक-हराम' कहा।

अंत में, जब हीरा-मोती अपने थान पर पहुँचे, तो झूरी की पत्नी के मन का मैल दूर हो चुका था। वह हीरा-मोती के गुम होने से भी दुखी रही होगी। उसने ठंडे दिमाग से सोचा होगा कि हीरा-मोती स्वामिभक्त हैं। इतने दिनों बाद उन्हें पाकर वह खुशी से झूम उठी होगी। इसलिए उसने उनका माथा चूम लिया होगा।

प्रश्न 15. जब झूरी की स्त्री ने बैलों को अपने यहाँ देखा तो उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई? झूरी ने उसका क्या प्रतिवाद किया? [CBSE]

उत्तर–जब झूरी की स्त्री ने देखा कि हीरा और मोती उसके भाई के घर से भागकर वापस आ गए हैं तो वह जल उठी। उसने उन्हें नमकहराम कहा। इस पर झूरी ने प्रतिवाद किया। उसने कहा–जरूर गया ने इन्हें चारा न दिया होगा। तभी वे भाग खड़े हुए होंगे।

प्रश्न 16. गया द्वारा बैलों को हल में जोतने पर बैलों ने क्या व्यवहार किया? [CBSE]

उत्तर–गया द्वारा बैलों को हल में जोतने पर बैलों ने विद्रोह कर दिया। उन्होंने गाड़ी में जुतने से इनकार कर दिया। गया ने उन पर डंडे बरसाए तो उन्होंने गाड़ी को खाई में गिराने की कोशिश की। फिर हल, रस्सी, जुआ, जोत तोड़ताड़ कर भाग खड़े हुए।

प्रश्न 17. छोटी बच्ची ने हीरा और मोती की रस्सी क्यों खोल दी? [CBSE 2015]

उत्तर–छोटी बच्ची अनाथ थी। उसकी माँ बचपन में ही मर गई थी। इसलिए वह स्नेह का महत्व जानती थी। उसने समझ लिया कि हीरा और मोती भी अपने स्वामी से बिछुड़ने के कारण उदास हैं और वापस उसके पास जाने के लिए तड़प रहे हैं। अत: उसने दयावश हीरा और मोती की रस्सी खोल दी।

प्रश्न 18. हीरा-मोती को रास्ते में कौन मिला? उसके बाद क्या हुआ? [CBSE]

उत्तर–हीरा-मोती को रास्ते में एक साँड मिल गया। उसने मौका पाकर इन दोनों पर आक्रमण कर दिया। परंतु हीरा और मोती संगठित थे। इन्होंने मिलकर लड़ाई की। वे साँड पर दोनों तरफ से टूट पड़े। परिणाम स्वरूप साँड बेदम होकर गिर पड़ा।

प्रश्न 19. साँड हीरा-मोती से बचकर क्यों भागा? [CBSE]

उत्तर–साँड हीरा-मोती के संगठित आक्रमण से बचकर भाग गया। दोनों ने इस तरह साँड को घेरा कि यदि एक आगे से वार करता तो दूसरा पीछे से उसके शरीर में सींग घुसेड़ देता। साँड इस दोतरफे हमले से डरकर भाग गया।

प्रश्न 20. हीरा-मोती द्वारा साँड को मार गिराने की घटना से क्या प्रेरणा मिलती है? [CBSE 2012]

उत्तर–हीरा-मोती ने इकट्ठे मिलकर बड़े साँड को मार गिराया। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि मिलकर संघर्ष करो। हर विपत्ति में अपने मित्र का साथ दो।

प्रश्न 21. 'दो बैलों की कथा' को ध्यान में रखते हुए सिद्ध कीजिए कि एकता में शक्ति होती है?

उत्तर–हीरा और मोती सच्चे मित्र थे। उन्होंने हर विपत्ति में एक-दूसरे का साथ दिया। जब एक साँड उन्हें मारने दौड़ा तो [CBSE 2012]

वे दोनों मिलकर उस पर पिल पड़े। एक उसे आगे से झेलता तो दूसरा उसके कूल्हे में सींग घुसेड़ देता। इस प्रकार दोनों ने बलशाली साँड को मार गिराया। दोनों ने अपने व्यवहार से एकता की शक्ति को सिद्ध कर दिया।

प्रश्न 22. मटर के खेत में घुसने की क्या सजा दोनों बैलों को मिली? [CBSE]

उत्तर–मटर के खेत में घुसने पर खेत के मालिकों ने बैलों को घेर लिया। उन्होंने उन्हें पकड़ लिया और आवारा पशुओं की जेल–कांजीहौस में बंद करवा दिया।

प्रश्न 23. कांजीहौस के अंदर का दृश्य कैसा था? [CBSE]

उत्तर–कांजीहौस के अंदर का दृश्य बहुत करुणाजनक था। वहाँ अनेक भैंसें, बकरियाँ, घोड़े, गधे आदि पशु थे। सब के सब भूख के कारण बेहाल थे। उनके शरीर मरियल थे। वे मुरदों की भाँति जमीन पर पड़े थे।

प्रश्न 24. हीरा ने बाड़े की दीवार के साथ क्या किया? [CBSE]

उत्तर–हीरा ने बाड़े की दीवार को अपने सींगों की सहायता से चोट मार-मार कर गिरा दिया।

प्रश्न 25. कांजीहौस में हीरा और मोती ने जानवरों को किस प्रकार बचाया? [CBSE 2012]

उत्तर–हीरा और मोती ने कांजीहौस की दीवार को सींग मार-मारकर तोड़ डाला। इससे सारे कैद पशु आज़ाद हो गए। गधे भागने को तैयार नहीं थे। हीरा और मोती ने उन्हें भी रगेद-रगेद कर बाहर कर दिया।

प्रश्न 26. दड़ियल आदमी कौन था? हीरा और मोती उसके किस व्यवहार के कारण भयभीत हो गए थे? [CBSE 2012]

उत्तर–दड़ियल आदमी एक कसाई था। वह हीरा और मोती के कूल्हों की हड्डियों में उँगली मार-मारकर देख रहा था। इससे वे भाँप गए कि यह आदमी उनका वध करेगा। अतः वे भयभीत हो गए।

प्रश्न 27. 'दो बैलों की कथा' पाठ में गुप्त शक्ति से लेखक का क्या तात्पर्य है? [CBSE 2012]

उत्तर–मुंशी प्रेमचंद ने कहा है कि जानवरों में गुप्त शक्ति होती है। उनमें भाँपने की ताकत होती है। वे अपने शरीर को टटोल-टटोल कर देखने वाले दड़ियल आदमी की बदनीयत समझ गए। उन्हें पता चल गया कि यह आदमी उनका हत्यारा है, मित्र नहीं।

प्रश्न 28. दढ़ियल ने बैलों की नीलामी में बोली क्यों लगाई थी? [CBSE]

उत्तर–दढ़ियल पशुओं का मांस बेचता था। वह कसाई था। उसने बैलों की नीलामी में बोली इसलिए लगाई थी ताकि बैलों को काटकर उनका मांस बेच सके।

प्रश्न 29. दोनों बैलों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा था? [CBSE]

उत्तर–झूरी को छोड़कर सब जगह दोनों बैलों के साथ शोषण और अन्याय का व्यवहार हो रहा था। गया उन्हें जबरदस्ती अपने खेतों में जोतना चाहता था। साँड उन पर अकारण आक्रमण करना चाहता था। कांजीहौस में तो उन पर सरासर अन्याय हो रहा था।

प्रश्न 30. *हीरा नरम विचारों तथा मोती गरम विचारों वाला क्रांतिकारी है।* स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2014]

उत्तर–हीरा-मोती क्रमशः नरम दल और गरम दल के क्रांतिकारी प्रतीत होते हैं। वे किसी भी विदेशी का शासन स्वीकार नहीं करते। हीरा सविनय अवज्ञा करता है। मोती विरोध प्रकट करता है। हीरा अहिंसा, धैर्य और सहनशीलता का परिचय देता है, जबकि मोती प्रतिकार, संघर्ष और बलिदान का परिचय देता है। दोनों एक-साथ संघर्ष करते हैं। अंत में वे काँजीहौस में डाल दिए जाते हैं।

काँजीहौस में आकर तो मानो वे पहले-से कैद कैदियों के उद्धारक बन जाते हैं। वे बाड़े की दीवार तोड़ देते हैं। दोनों को संतोष है कि उनके इस संघर्ष से कितने ही प्राणियों की जानें बचीं। हीरा कहता है–

'जोर तो मारता जाऊँगा, चाहे कितने ही बंधन पड़ते जाएँ।'

× × ×

'कुछ परवाह नहीं। यों भी तो मरना ही है। सोचो, दीवार खुद जाती, तो कितनी जानें बच जातीं। इतने भाई यहाँ कैद हैं। किसी की देह में जान नहीं है। दो-चार दिन और यही हाल रहा, तो सब मर जाएँगे।'

मोती के वचन देखिए–

'जिस अपराध के लिए तुम्हारे गले में बंधन पड़ा। उसके लिए अगर मुझ पर मार पड़े, तो क्या चिंता। इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।'

प्रश्न 31. *जानवरों में भी मानवीय संवेदनाएँ होती हैं–* 'दो बैलों की कथा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

[*CBSE 2015*]

उत्तर–जानवरों में भी मानवों जैसी कोमल भावनाएँ होती हैं। हीरा और मोती मनुष्यों की तरह प्रेम और स्नेह को समझते थे। वे अपने मालिक और छोटी बच्ची के स्नेह को भलीभाँति समझते थे। वे प्यार का बदला प्यार से ही देते थे। दूसरी ओर, वे दढ़ियल आदमी और गया के कठोर भावों को भी समझते थे। उनमें दया, क्रोध, विद्रोह और एकता जैसे सभी मानवीय भाव दिखाई देते हैं।

प्रश्न 32. 'दो बैलों की कथा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती। उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है।

[*CBSE 2017*]

उत्तर–'दो बैलों की कथा' कहानी से हमें प्रेरणा मिलती है कि आज़ादी बिना संघर्ष के नहीं मिलती। उसके लिए विद्रोह करना पड़ता है। मिल-जुल कर आक्रमण करना पड़ता है तथा पकड़े जाने पर हर प्रकार के कष्ट सहने पड़ते हैं। कभी-कभी कारागृह में बंद होना पड़ता है। मौत के मुँह में जाना पड़ता है। वहाँ भी संघर्ष के सहारे लड़ाई लड़नी पड़ती है।

प्रश्न 33. *आप सभी जानते हैं कि आज़ादी आसानी से नहीं मिलती। उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है।* पाठ 'दो बैलों की कथा' में हीरा-मोती दोनों बैलों ने अपनी आज़ादी के लिए क्या संघर्ष किए? लिखिए।

[*CBSE 2018*]

उत्तर–हीरा और मोती आज़ादी से जीना चाहते हैं। वे झूरी काछी के पास थे तो अपनी खुशी से थे। जैसे ही उन्हें जबरदस्ती गया के पास भेजा जाता है, वे इसका विरोध करते हैं। एक दिन रात ही में वे अपने खूँटे तुड़ाकर वापस झूरी के पास भाग आते हैं। उसके बाद एक बार फिर वे गया के घर से फरार हो जाते हैं। जब उन्हें पकड़कर कांजीहौस में बंद कर दिया जाता है तो वहाँ भी चुप नहीं बैठते। वे अन्य पशुओं को आज़ाद करने के लिए कांजीहौस की दीवार तोड़ देते हैं। इस प्रकार वे जी-जान लगाकर अपनी आज़ादी के लिए संघर्ष करते हैं। सचमुच वे आज़ादी के दीवाने हैं।